**Sixteenth Loksabha**

an>

Title: Need to accelerate the process of inter-linking of rivers in the country.

**श्री गोपाल शेट्टी(मुम्बई-उत्तर)**ः देश में बाढ़ और सूखे की समस्या के समाधान और गांवों तथा शहरों तक पर्याप्त मात्रा में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु देश की प्रमुख नदियों को जोड़ने की परियोजना पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के प्रधानमंत्रित्व काल में प्रारंभ की गई थी। मगर उनके बाद की केन्द्र सरकार ने इस परियोजना में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई, जिस कारण इसमें आगे कोई प्रगति नहीं हो सकी। लेकिन तीन वर्ष पूर्व केन्द्र में जब भाजपा की सरकार का गठन हुआ, तब माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में नदियों को जोड़ने के कार्य में ठोस प्रयास शुरू किए गए और इस दिशा में काफी प्रगति भी हुई। हालांकि, कई राज्यों में नदियों को आपस में जोड़ने का कार्य तीव्र गति से चल रहा है, लेकिन कुछ राज्यों में इसमें आपसी तालमेल न बैठने के कारण शिथिलता आई हुई है और यह कार्य तीव्र गति से रफ्तार नहीं पकड़ पर रहा है। एक अनुमान के अनुसर नदी जोड़ो योजना के पूरा होने पर 25.5 हैक्टेयर क्षेत्र में सूखे का असर कम होगा, जिससे हमारे देश के किसान लाभान्वित होंगे। मेरा अनुरोध है कि चूंकि जल राष्ट्रीय सम्पत्ति है इसलिए जल पर किसी राज्य का विशेषाधिकार नहीं होना चाहिए और केन्द्र सरकार को जल के लिए एक राष्ट्रीय पॉलिसी बनाकर नदियों को आपस में जोड़ने की प्रक्रिया में और अधिक तेजी लाकर इस कार्य को शीघ्र सम्पन्न कराना चाहिए।